V Class Hindi First Language

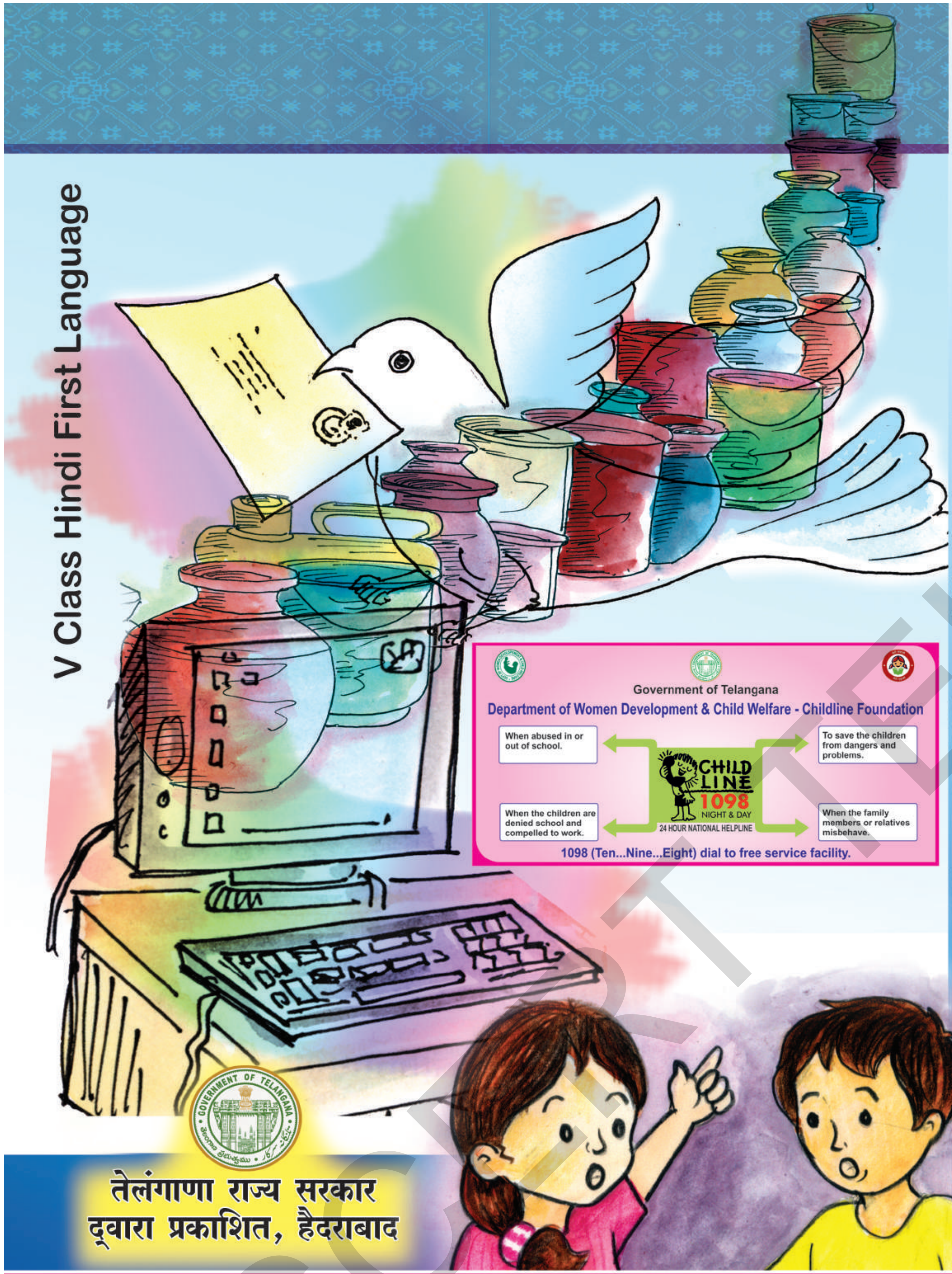

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

तेलंगाणा राज्य सरकार
द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

मुस्कान 5

FREE

प्रथम भाषा हिंदी
कक्षा-5 की पाठ्यपुस्तक

Hindi Reader
(First Language)

Class - V

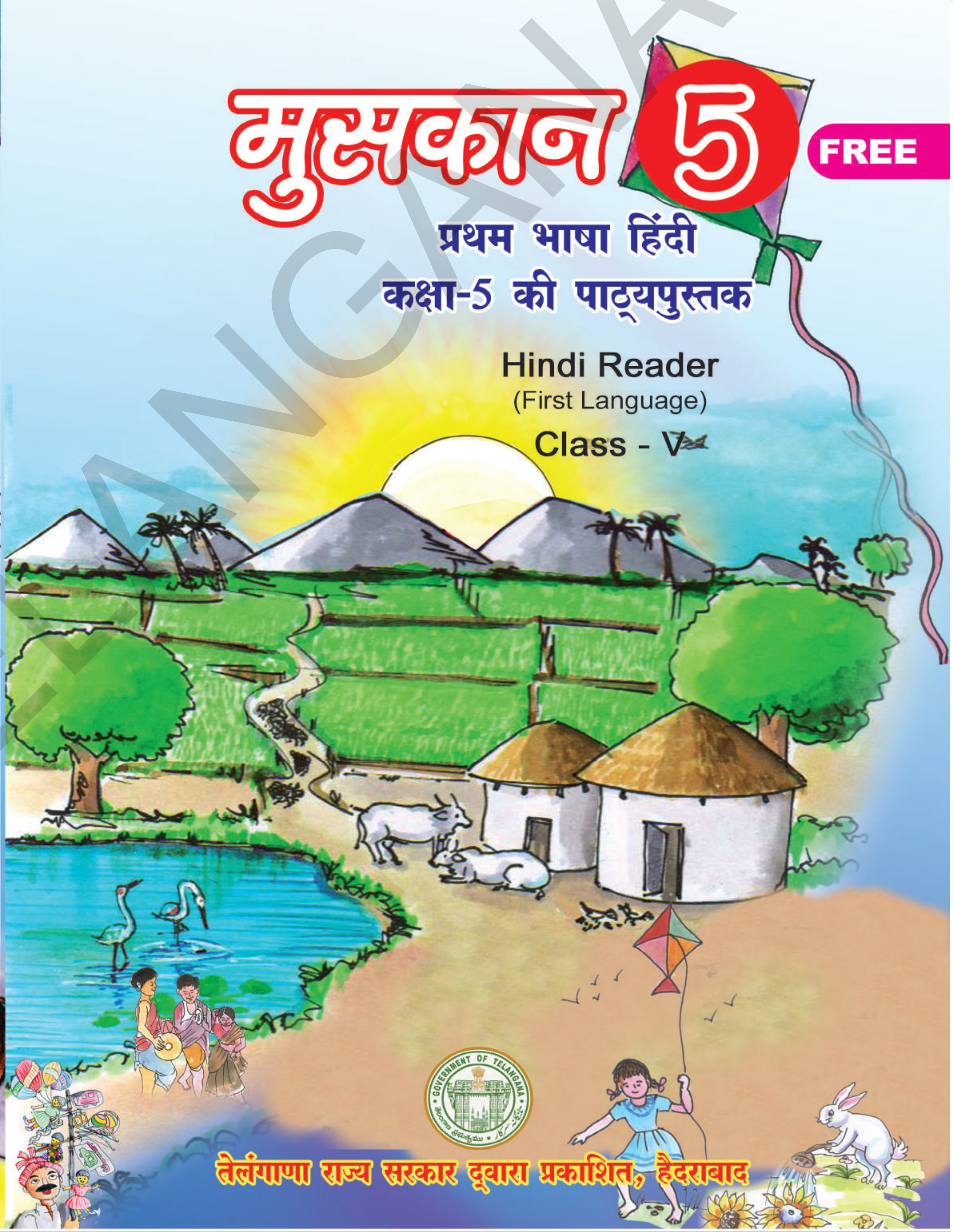

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

* यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप भाषा के सभी कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।
* पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।
* हर पाठ के प्रारंभ में उन्मुखीकरण का चित्र दिया गया है। इस चित्र के माध्यम से आपको सबसे पहले संज्ञा शब्दों, क्रिया शब्दों और सोच-विचार के वाक्यों द्वारा चर्चा करनी चाहिए।
* हर पाठ में 'सुनिए-बोलिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार कर देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
* हर पाठ में 'पढ़िए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आप में पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।
* हर पाठ में 'लिखिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में देना चाहिए। इसे हम 'स्वरचना' भी कहते हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करना चाहिए।
* हर पाठ में 'शब्द-भंडार' व 'भाषा की बात' के अभ्यास दिये गये हैं। इन अभ्यासों का हल समूहों में बैठकर करना चाहिए। आवश्यकतानुसार अध्यापक का सहयोग लेना चाहिए।
* 'परियोजना कार्य' स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे व्यक्तिगत या समूह में बैठकर करना चाहिए।
* हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' के प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास होगा।
* स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गयी है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

SCERT TELANGANA

मुस्कान 5

SALE

प्रथम भाषा हिंदी
कक्षा-5 की पाठ्यपुस्तक

Hindi Reader
(First Language)

Class - V

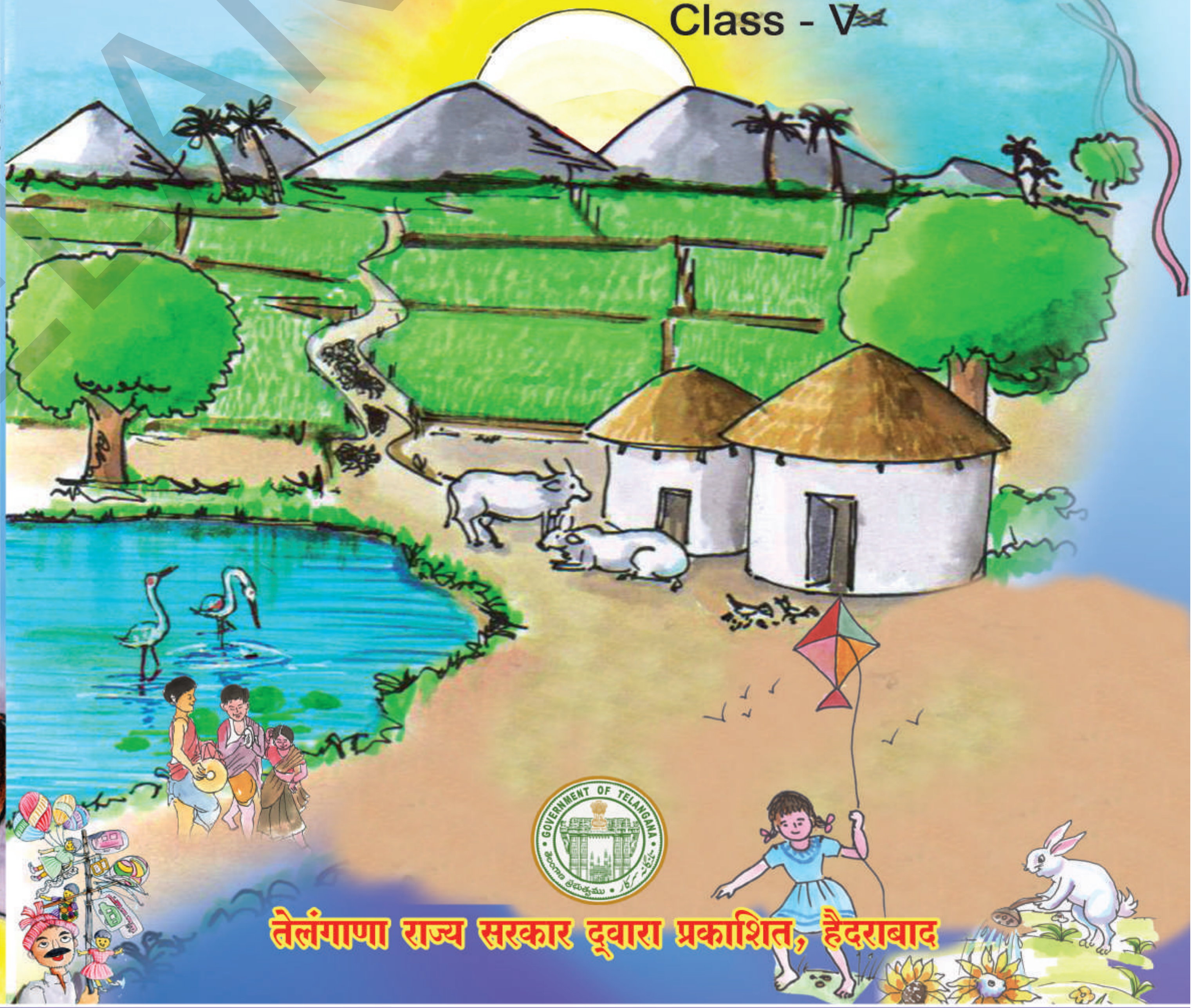

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

मुसकान- 5

कक्षा- 5 हिंदी (प्रथम भाषा)

Class-5 Hindi (First Language)

संपादक

प्रो. टी.वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय

डॉ. अनीता गांगुली
असोसियेट प्रोफेसर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद

विषय विशेषज्ञ

डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री
सेवानिवृत्त भाषाविद्
भारतीय भाषा आधार-पत्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री सुवर्ण विनायक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, हैदराबाद

समन्वयक

डॉ. पी. शारदा
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, हैदराबाद

श्रीमती जी. किरण
जी.एच.एस. फॉर द डेफ,
मलकपेट, हैदराबाद

सलाहकार - लिंग संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना
श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S., निदेशक, ACB, तेलंगाणा, हैदराबाद

पाठ्य पुस्तक एवं प्रकाशन समिति

श्री. ए. सत्यनारायण रेड्डी
निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी, हैदराबाद

डॉ. एन उपेन्दर रेड्डी
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम
व पाठ्यपुस्तक विभाग
एस.सी.ई.आर.टी, हैदराबाद

श्री पी. सुधाकर
निदेशक
सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस,
हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana State, Hyderabad.

First Published 2013

New Impressions 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T.S. Government 2020-21

Printed in India
at Telangana Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

SCERT TELANGANA

आमुख

बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एन.सी.एफ-2005, आर.टी.ई-2009, ए.पी.एस.सी.एफ-2011 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य पुस्तक का सृजन किया गया है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 सुझाती है कि बच्चों के जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत से विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास हैं। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि यह कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल- केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का कितना अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह और समय की आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों को अनदेखा किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सृजन और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार माने और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

यह उद्देश्य स्कूल की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारिणी में लचीलापन उतना ही जरूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव कराने में कितनी प्रभावी सिद्ध होगी। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है । इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती हैं।

पाठ्यपुस्तक के विकास एवं निर्माण हेतु प्रशिक्षण देने के लिए प्रो.रमाकांत अग्निहोत्री तथा सुवर्ण विनायक और पाठों के चयन तथा सुझाव देने के लिए विद्‍या भवन सोसाईटी के विषय विशेषज्ञों श्री कुमार अनुपम तथा श्री प्रदीप झा को विशेष आभार प्रकट किया जाता है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से एन.सी.ई.आर.टी. की ओर से गठित पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व आभार व्यक्त करती है।

इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया। इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्रयासों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। इस पुस्तक के निर्माण में जिन लेखकों और कवियों की रचनाओं को सम्मिलित किया गया हैं, उसके लिए उन साहित्यकारों और प्रकाशन संस्थाओं के प्रति परिषद आभार व्यक्त करती है। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा राज्य

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

हिंदी (HINDI FL)

कक्षा - पाँच (Class - V)

बच्चे--

- सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।
- अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं।
- विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे-'ईदगाह' कहानी पढ़ने के बात बच्चा कहता है- मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ।
- विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लिए पढ़ते और लिखते हैं।
- अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं।
- सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।
- अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक दुवारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं, जैसे- किसी घटना की जानकारी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करतेहैं।
- भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे-कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।
- स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे-गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।
- अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
- पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं।
- अपने कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

तेलंगाणा राज्य सरकार दुवारा निशुल्क वितरण 2020-21

सहभागी गण

श्रीमती जी. किरण
समन्वयक एवं राज्य हिंदी संसाधक
जी. एच. एस. फॉर द डेफ,
मलकपेट, हैदराबाद

श्रीमती के. संध्या
जी.जी.एच. एस
वेस्ट मारडपल्ली, सिकन्दराबाद

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक
जी.बी.एच.एस, चादरघाट नं. 2
हैदराबाद

डॉ. सैयद एम.एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक
जी.एच.एस. शंखेश्वर बाज़ार,
सईदाबाद, हैदराबाद

श्री सय्यद मतीन अहमद
राज्य हिंदी संसाधक,
तेलंगाणा राज्य

श्रीमती सरोज कुलकर्णी
जी.एच.एस. नया बाज़ार
सुल्तान बाज़ार, हैदराबाद

श्री. श्रीनिवास मनोहर श्रौती
जिला परिषद सेकेंडरी स्कूल
एडबिड, आदिलाबाद

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक
यू.पी.एस. याडारम, मेडचल,
रंगारेड्डी, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
जी.एच.एस. काचीगुड़ा,
हैदराबाद

श्रीमती गोर्ती पद्मजा
जिला परिषद हाई स्कूल
माकवारपालेम, विशाखापट्टणम

श्री सुरेश कुमार मिश्रा
राज्य हिंदी संसाधक,
तेलंगाणा राज्य

चित्रांकन

के. पार्वती
हिन्दु कॉलेज हाई स्कूल,
गुंटूर

के. रघुवीर गौड़
डाइट, करीमनगर

टी.वी. मोहन राजु
जूनियर कॉलेज, बेलुगोंडा,
प्रकाशम

टी.वी. रामाकृष्णा
जेड.पी.एच. एस, दुद्देदा
मेदक

लेआउट डिज़ाइन

कुर्रा सुरेश बाबू, एम.ए., एम.फिल., बी.टेक.

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

1. 160 कार्यदिवसों को दृष्टि में रखकर यह पुस्तक बनायी गयी है।

2. बच्चों द्‌वारा अर्जित की जाने वाली दक्षताएँ पाठ्यपुस्तक में क्रमबद्‌ध दी गयी हैं। यह देखना है कि बच्चे उन्हें अवश्य अर्जित करें। पुस्तक की चार इकाइयाँ हैं। कुल चौदह पाठ हैं। इकाई में दिये गये पाठों को क्रमवार पूरा करना है।

3. हर पाठ को उस पाठ में दी गयी दक्षताओं के अनुसार पूरा करना है।

4. प्रतिदिन प्रथम भाषा पढ़ाने के लिए नब्बे मिनट का समय दिया जाएगा। इन नब्बे मिनटों में पहले पैंतालीस मिनट पढ़ाये जाने वाले अभ्यास कार्य करवाएँ। अगले पैंतालीस मिनटों में उस दिन पढ़ाये जाने वाले अंशों से संबंधित अभ्यास सामूहिक रूप से करवायें। पिछड़े बच्चों पर अध्यापक व्यक्तिगत रूप से ध्यान दें और उनके स्तर के अनुसार अभ्यास करवायें।

5. पाठ की क्रिया उन्मुखीकरण चित्र से लेकर 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' तक चलनी चाहिए।

6. चित्र द्‌वारा उन्मुखीकरण करते समय बच्चों से स्वतंत्रतापूर्वक बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न भी पूछें।

7. उन्मुखीकरण चित्र पर बातचीत करने और छात्रों से पाठ पढ़ाने के लिए एक कालांश निर्धारित करें। तीन से चार कालांशों का उपयोग पाठ पढ़ाने के लिए करें।

8. शेष पाँच से छह कालांशों में अभ्यास कार्य छात्रों से पाठशाला में ही करवायें।

9. प्रतिदिन भाषा के लिए दिये गये नब्बे मिनटों में से पहले पैंतालीस मिनटों में अभ्यास कार्यों के बारे में सूचनाएँ दें। बच्चों द्‌वारा किये गये कार्य की जाँच करें और उन्हें निर्देश दें। अगले पैंतालीस मिनटों में छात्रों से व्यक्तिगत रूप से अभ्यास कार्य करवायें।

10. पहले पैंतालीस मिनटों में पढ़ाये जाने वाले पाठ और अभ्यास प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी अवश्य दें। पढ़ाये जाने वाले कालांश में निम्नलिखित बातों पर अवश्य ध्यान दें। सभी बच्चों की सहभागिता अत्यावश्यक है। अध्यापक कम बोलें, बच्चों को बातचीत के अधिक अवसर दें। बच्चों से प्रश्न पूछें। उन्हें स्वयं भी प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। इस कार्य के लिए कक्षाकक्ष गतिविधि द्‌वारा या समूह कार्य द्‌वारा अधिगम प्रक्रिया का निर्वाह करें।

11. एक पाठ को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित सोपानों का पालन करें-
    - चित्र के बारे में प्रश्न पूछें।
    - शीर्षक की घोषणा करें।
    - पाठ का उद्‌देश्य और विवरण दें।

SCERT TELANGANA

- व्यक्तिगत वाचन करवायें और काठिन्य निवारण करें।
- पाठ के चित्रों पर बातचीत करें।
- पाठ पढ़ायें।
- अभ्यास करवायें।
- स्वमूल्यांकन-क्या मैं ये कर सकता हूँ? करवायें।

विशेष शिक्षण

- उपर्युक्त तरीके से पहले पैंतालीस मिनटों में इस तरह पाठ का अधिगम करें कि बच्चे पाठ में दी गयी दक्षताएँ अर्जित कर सकें।
- अगले पैंतालीस मिनटों में उस दिन पढ़ाये जाने वाले अंशों या दक्षताओं से संबंधित अभ्यास करवायें। इसे निम्न तरीके से पूरा करें-

दक्षताएँ	पूरा करने का तरीका
- सुनना, सोचकर बोलना	- पूर्ण कक्षाकक्ष क्रिया
- पढ़ना	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- लिखना	- समूह लेखन या व्यक्तिगत लेखन
- शब्द-भंडार	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- प्रशंसा	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- भाषा की बात	- व्यक्तिगत कार्य
- परियोजना कार्य	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य

SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं
I	1	खिलौनेवाला	कविता	जून	1
	*	ईदगाह	उपवाचक	जून	7
	2	वे दिन भी क्या दिन थे	विज्ञान कथा	जुलाई	11
	3	राख की रस्सी	लोककथा	जुलाई	17
II	4	पानी रे पानी	निबंध	जुलाई	24
	5	बढ़े चलो, बढ़े चलो	कविता	अगस्त	31
	6	चावल की रोटियाँ	नाटक	अगस्त	39
	7	चुनौती हिमालय की	यात्रा वर्णन	सितंबर	53
	*	मेरी दैनिकी	उपवाचक	अक्तूबर	63
III	8	एक माँ की बेबसी	कविता	अक्तूबर	65
	*	नन्हा नटखट खरगोश	उपवाचक	नवंबर	73
	9	एक दिन की बादशाहत	कहानी	नवंबर	76
	10	फ़सलों के त्यौहार	निबंध	दिसंबर	84
	11	जहाँ चाह वहाँ राह	लेख	दिसंबर	93
IV	12	बाघ आया उस रात	कविता	जनवरी	100
	13	चिट्ठी का सफ़र	लेख	जनवरी	106
	*	डाकिए की कहानी (कँवरसिंह की ज़बानी)	उपवाचक	फरवरी	114
	14	बिशन की दिलेरी	कहानी	फरवरी	117

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

इस पाठ्यपुस्तक से बच्चों द्वारा अर्जित की जानेवाली दक्षताएँ

सुनना-बोलना
- गीत, सूचनाएँ, कहानियाँ, वार्तालाप, निबंध आदि सुनकर अर्थ ग्रहण कर सकेंगे। अपने शब्दों में बोल सकेंगे।
- जाने और सुने गये अंशों के बारे में स्पष्ट उच्चारण के साथ सही क्रम में बोल सकेंगे, गीत गा सकेंगे, अभिनय कर सकेंगे।
- विभिन्न परिस्थितियों में संदर्भोचित भाषा का उपयोग कर सकेंगे।

पढ़ना
- गीत सूचनाएँ, कहानियाँ, वार्तालाप, निबंध आदि धाराप्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे। पढ़े गए अंशों से संबंधित प्रश्नों का समाधान कर सकेंगे।
- पढ़े गए अंशों के शब्दों को संदर्भानुसार ग्रहण कर सकेंगे।
- पर्याय शब्द, विलोम शब्द, युग्म शब्द पहचान सकेंगे।

लिखना
- पढ़े गए विषयों को समझ सकेंगे, बोल सकेंगे, लिख सकेंगे।
- विभिन्न रूपों में पाये जाने वाले बाल-साहित्य को धाराप्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे और अर्थ समझ कर लिख सकेंगे।
- पाठ्यपुस्तक में पीछे दिए गए शब्दों के अर्थ समझ सकेंगे और उनका उपयोग कर सकेंगे।
- जाने, सुने और देखे हुए विषयों - कहानियों, स्व-अनुभव, पसंद-नापसंद आदि के बारे में पाँच वाक्यों में अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- लिखते समय, सही शब्दों को क्रमानुसार, विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए बिना त्रुटियों के लिख सकेंगे।

शब्द-भंडार
- शब्द भंडार का संदर्भोचित उपयोग कर सकेंगे, अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
- दिए गए शब्दों से नए शब्द बना सकेंगे, उनका उपयोग कर सकेंगे।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति
- कविता, कहानियाँ आगे बढ़ा सकेंगे। वार्तालाप, आत्मकथा, पत्र आदि लिख सकेंगे।
- चित्र उतारकर रंग भर कर उनके बारे में लिख सकेंगे।

प्रशंसा
- सहपाठियों, महिलाओं, अन्य वर्गों, अन्य संस्कृतियों, भाषाओं, महानुभावों आदि की प्रशंसा कर सकेंगे।

भाषा की बात
- अर्थपूर्ण वाक्य बना सकेंगे। वाक्य में कर्ता, कर्म, क्रिया पहचान सकेंगे।

SCERT TELANGANA